डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 212 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 16 मई 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

## मोहन सरकार का पहला बजट जुलाई में, तैयारी में जुटे विभाग

**भोपाल, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश की डा. मोहन यादव सरकार का पहला पूर्ण बजट जुलाई में प्रस्तुत होगा। वित्त के साथ-साथ अन्य विभाग भी इसकी तैयारी में जुट गए हैं। सभी से मई के अंत तक प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया है। इस बार बजट सवा तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है।

इसमें कर्मचारियों को 56 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता देने, तीन प्रतिशत वेतन में वृद्धि, संविदा कर्मचारियों के पारिश्रमिक में आठ प्रतिशत की वृद्धि के हिसाब से प्रविधान रखे जाएंगे। केंद्र सरकार की सभी योजनाओं के लिए प्राथमिकता के आधार पर अंशदान विभागों को रखना होगा।

लोकसभा चुनाव के कारण सरकार ने पूर्ण बजट प्रस्तुत न करके एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये का लेखानुदान प्रस्तुत किया था। जुलाई 2024 तक के लिए यह व्यवस्था की गई है। इसमें किसी तरह कर संबंधी नए प्रस्ताव तथा व्यय के नए मद सम्मिलित नहीं किए। द्वितीय अनुपूरक बजट में कुछ नई योजनाएं शामिल कर ली गई थीं। अब विभागों ने बजट की तैयारी प्रारंभ की है। वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा कि आवश्यक व्यय के प्रविधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किए जाएं। केंद्र सरकार के अनुसार महंगाई भत्ता और राहत के लिए बजट स्थापना व्यय में रखें। इसकी गणना ठीक से कराएं ताकि कोई समस्या न आए। केंद्र सरकार की सभी योजनाओं के लिए राज्यांश पर्याप्त मात्रा में रहे। अधोसंरचना विकास के कार्य मध्य प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में हैं, इसलिए उनके प्रस्ताव समय से भेजें ताकि आवश्यक राशि का प्रविधान किया जा सके।

### प्रशासकीय स्वीकृति के बाद ही भेजें नई योजनाएं...

वित्त विभाग ने सभी विभागों से कहा है कि वे नई योजनाओं के प्रस्ताव प्रशासकीय स्वीकृति के बाद ही भेजें। इसमें उसका औचित्य और क्या लाभ होगा, उसका विवरण अवश्य दें। यदि कोई ऐसी योजना, जो केंद्र सरकार द्वारा भी संचालित की जा रही है तो उसके संविलियन का प्रस्ताव दें। जिन योजनाओं के लक्ष्य पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें बंद करने की प्रक्रिया करें। विभागों से कहा गया है कि अनुसूचित जाति उपयोजना के लिए 16 और अनुसूचित जनजाति उप योजना के लिए 23 प्रतिशत के हिसाब से राशि रखी जाए।

## विद्यार्थियों को दो साल से छात्रवृत्ति का इंतजार

### विद्यार्थियो के खाते करें अपडेट, डीपीआई ने जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रायव्हेट व सरकारी स्कूलों का नया शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो गया है। लेकिन, पिछले दो साल से विद्यार्थियो को छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। बीते दो सालो के मंदसौर ही नहीं पुरे प्रदेश के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई है। कारण बताया जा रहा है कि विद्यार्थियों का प्रोफाइल अपडेट नहीं होने से खाते त्रुटिपूर्ण हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) की ओर से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस बार फैल ट्रांजेक्शन की स्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए। इसका सीधा असर विद्यार्थियों पर पड़ता है। अब सभी विद्यार्थियों के खाते अपडेट किए जाने की कवायद की जाएगी।**

अब तक स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल पर प्रोफाइल अपडेट किया जाता था। अब शासन की ओर से एमपीटास के माध्यम से डाटा अपडेट किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया इतनी लंबी है कि प्रोफाइल अपडेट नहीं हो पा रही और विद्यार्थियों की संख्या स्वीकृत नहीं हो पा रही। इसमें सभी विद्यार्थियों के खातों को आधार से लिंक करना है। इसमें आधार, समग्र आईडी और जाति प्रमाण पत्र में जन्मतिथि मिलाकर प्रोफाइल अपडेट करना है। अब तक पोर्टल पर विद्यार्थियों का डाटा अपडेट नहीं हो पाया, इस कारण भुगतान नहीं हो पाया है। इसकी सूची भी संबंधित स्कूलों को भेज दी गई है। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी शामिल हैं।

इस संबंध में डीपीआई के संचालक ने संभागीय संयुक्त संचालकों के साथ डीईओ को आदेश जारी कर कहा है कि बार-बार निर्देश देने के बाद भी भुगतान असफल होना खेदजनक है। अब 2023-24 की असफल भुगतान की छात्रवृत्ति की राशि फिर से विद्यार्थियों के संशोधित बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस वजह से संबंधित विद्यार्थियों के बैंक खाते अपडेट करने के लिए कहा गया है। अगर तय समय सीमा में खाते अपडेट नहीं किए जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित संभाग या जिला शिक्षा अधिकारी की होगी।

## बच्चों में बढ़ रही हिंसात्मक प्रवृत्ति

### ऑन लाईन गेम की जद में आए बालक

मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो जहां युवा ऑनलाईन गेम के माध्यम से जुआ सट्ठा की जद में जकड़ते नजर आ रहे हैं। तो वहीं बच्चे या किशोर भी ऑनलाईन गेम की जद में आ रहे हैं। इसका प्रभाव यह पढ़ रहा है कि बच्चों में हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ रही है। बर्बादी का ऑनलाइन खेल इन दिनों इंटरनेट पर खुलेआम चल रहा है। ज्यादातर लोग ऑनलाइन गेमिंग में हिंसात्मक गेम खेलते हैं। गेम में तरह-तरह के बंदूक व अन्य हथियार का इस्तेमाल करते हुए ज्यादा समय मोबाइल में बिता रहे हैं। स्थिति यह है कि भोजन करते समय भी बच्चे गेम को खेलते नजर आ जाते हैं। अमेरिका में हुए सर्वे के अनुसार पाया गया कि जो बच्चे ज्यादा स्क्रीन के सामने समय व्यतीत करते हैं, वे इमोशनली ब्लंड हो जाते हैं। यानि कि हमारे सामने कोई व्यक्ति है, हम उसके इमोशन चेहरे को देखकर नहीं समझ पाते हैं। ऐसे में सामने वाले की स्थिति क्या है, वह दु:खी या गुस्से में है या हमारी बात सुनना नहीं चाह रहा है, यह सब बातें बच्चे नहीं समझ पाते हैं।

### बच्चों में बढ़ रही तनाव, डिप्रेशन की शिक़ायत...

ऑनलाइन गेम की लत में पड़ने वाले बच्चों में तनाव और डिप्रेशन की शिक़ायत बढ़ रही है। क्योंकि वो गेम में इतना उलझ जाते हैं कि उससे उबर ही नहीं पाते। एक रिपोर्ट के अनुसार 87 प्रतिशत लोग ये मान रहे हैं कि ऑनलाइन गेम के माध्यम से वो डिप्रेशन के शिकार हुए हैं। वहीं मारधाड़ और शूटिंग वाले गेम ज्यादा लोकप्रिय हैं, जिसके कारण बच्चों में बहुत मानसिक तनाव बना रहता है। यहां तक कि वो खाना-पीना भी भूल जाते हैं, उनका सारा ध्यान बस वहीं लगा रहता है। कई विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि बच्चों, किशोरों और वयस्कों में गेम की लत से हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है। कुछ मामलों में मोबाइल वापस ले लिए जाने से बच्चे गहरे अवसाद में चले जाते हैं।

### कैसे जान लेवा है या मनोरंजन...

बच्चा मोबाइल और कंप्यूटर पर ज्यादा समय गजारने लगेगा। उसकी नियमित गतिविधियों में बदलाव आएगा।, परिवार और दोस्तों से खुद को अलग कर लेगा। सिर्फ ऑनलाइन दोस्तों तक सीमित रहेगा। पढ़ाई और काम प्रभावित होंगे। नींद प्रभावित होगी। यदि सोता है तो ऑनलाइन गेम्स या एप्लीकेशन के सपने देखेगा। गेम खेलने से मना करने पर गुस्सा करेगा। बहस करने के बावजूद खेलना बंद नहीं करेगा। बच्चा उल्टे जवाब भी देगा। हाथापाई भी कर सकता है।

### इनका कहना...

ऑनलाइन गेम्स एक तरह से एडिक्शन बनता जा रहा है। हर माह 2 से 3 केस ऐसे आ रहे हैं। बच्चे पहले गेम्स से आकर्षित होते हैं बाद में वे कब इसके एडिक्ट हो जाते हैं, उन्हें पता नहीं चलता है। इससे बच्चों में आक्रामकता, चिड़चिड़ापन, गुस्सा करना, पागलों जैसी हरकत करना आदि समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसके कारण एंग्जायटी व डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का कंट्रोल बहुत जरूरी है। यदि दोनों ही पेरेंट्स वर्किंग है तो किसी एक को बच्चे पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चे का आउटडोर गेम्स में इन्वॉल्वमेंट बढ़ाएं। मोबाइल को कंट्रोल वे में बच्चों को दें। इसकी सीमा तय करें।

**डॉ. सुरेश गोचर**
**मनोरोग विशेषज्ञ**

## गरमी ने दिखाए तेवर, शाम को छाए बादल

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** बुधवार को एक बार फिर गरमी ने दोपहर में तेवर दिखाए तो शाम को बादल छाने के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई। हवाओं का दौर भी चला। जिससे मौसम में गर्मी का असर कम हो गया। अंचल में फिलहाल अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम जानकारों के अनुसार अब सिस्टम कमजोर हो रहा है। 17-18 मई को तेज गरमी का असर रहेगा इस दौरान हीट वेव चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 17 मई को उत्तर भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसका असर 2-3 दिन बाद यानी, 20 मई से प्रदेश के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से ऐसा मौसम है। उत्तर भारत के कुछ जगहों पर नमी होने से बारिश हो रही है। अगले 2 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। 17 मई के बाद गरमी का असर बढ़ेगा।

## पांच दिनों के अवकाश के बाद खुली कृषि मंडियां, ठीक ठाक रही आवक

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** पांच दिनों की छुट्टियों के बाद बुधवार को खुली कृषि उपज मंडियों में अच्छी आवक रही। आसपास के जिलों से तीन दिन पहले की किसान उपज लेकर पहुंच गए थे।

छुट्टियों के बाद खुली मंदसौर कृषि उपज मंडी में 37 हजार 387 से अधिक बोरी जिंसों की आवक रही। सबसे ज्यादा आवक लहसुन की रही। मंदसौर कृषि उपज मंडी में 18 हजार से अधिक बैग लहसुन के 4 से 23 हजार प्रति क्विंटल की दर से विक्रय हुआ। वहीं, 10 हजार बोरी गेहूं की आवक रही। गेहूं 2661 से 3000 रुपए तक विक्रय हुआ। तीन हजार से अधिक बोरी सोयाबीन आवक रही जो अधिकतम 4700 की कीमत पर विक्रय हुई। इसके साथ ही अलसी, प्याज, मैथी, अलसी, इसबगोल जैसी जिंसों की आवक रही।

## आम चुनाव: छह जून तक रहेगी आचार संहिता

### कर्मचारियों को मिल सकेगा अवकाश, जनसुनवाई भी शुरु होगी

**भोपाल, 15 मई गुरु एक्सप्रेस। देश में आम चुनाव की चार चरणों में मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसमें प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटो पर मतदान हो चुका है। हालांकि, मतगणना 4 जून के बाद भी आचार संहिता 6 जून तक लागू रहेगी। लेकिन, राज्य सरकार जनहित से जुड़े कार्य शुरू कर सकेगी। कलेक्टर जनसुनवाई भी कर सकेंगे। लेकिन, इसके लिए चुनाव आयोग से परमिशन लेनी होगी। हां, प्रदेश में 6 जून तक कैबिनेट मीटिंग और पॉलिसी से जुड़े मामलों पर फैसले नहीं लिए जा जाएंगे।**

लोकसभा चुनावों की आचार संहिता 6 जून तक लागू है। आयोग के इलेक्शन शेड्यूल के मुताबिक प्रदेश में अगले 22 दिन तक प्रदेश की सभी 29 सीटों के इंटर डिस्ट्रिक बॉर्डर और स्टेट बॉर्डर पर बनी चैक पोस्ट पर आने-जाने वाले व्यक्ति की चैकिंग जारी रहेगी। इसके अलावा जिला कलेक्टर के नेतृत्व में बनी स्पेशल सुपरविजन टीम (एसएसटी) काम करती रहेंगी। जिलों में कलेक्टर हर मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन करते हैं, जिसमें लोगों की समस्याएं सुनी जाती हैं। इस पर अभी रोक है, लेकिन इसे शुरू किया जा सकता है। जनसुनवाई शुरू करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर अनुमति लेनी होगी। सहमति मिली तो जीएडी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर सकेगा।

### नए निर्माण कार्य भी कर सकते है शुरु...

अब नए निर्माण कार्य भी शुरू किए जा सकते हैं, लेकिन इनकी जानकारी चुनाव आयोग को देनी होगी। दरअसल, अगले माह 15 जून से बारिश का मौसम शुरू होने का अनुमान है, इसलिए सरकार चाहे तो निर्माण कार्य शुरू करने की परमिशन लेकर काम पूरे करा सकती है। इसमें खास तौर पर बारिश के पहले उखड़ी सड़कों का पुनर्निर्माण, रखरखाव तथा नई सड़कों को बनाने का काम शामिल है। इसके अलावा मार्च में बजट संकट और फिर अप्रैल में बजट आवंटन में देरी के चलते जो काम रुके हुए हैं, उन्हें भी सरकार शुरू कराकर बारिश के पहले पूरा करा सकती है।

## तकनीकी दुनिया का भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कितना सुखद होगा कितना भयावह..?

**मंदसौर/उज्जैन, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश के प्रमुख समाचार पत्र में खबर थी कि कैंसर के मरीज की वोकल कार्ड निकाली जा चुकी थी, पर अब वह बोलने लगा है । वह वोकल कार्ड अपने कपड़ों की जेब में रखता है। ऐसे ही इसराइल ने अंधों को आंखों से दृश्य देखने लायक चश्मे का यंत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बना लिया है। तकनीकी दुनिया के जानकार और शोधकर्ताओं का दावा है कि आने वाला युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का होगा। विश्व में उन राष्ट्रों का प्रभुत्व स्थापित रहेगा जिनके पास एआई तकनीक उपलब्धता सबसे अधिक होगी।

इस तकनीक के कारण मनुष्य के स्वास्थ्य विज्ञान में तो क्रांतिकारी परिवर्तन नजर भी आने लगे हैं। जिन्हें लाइलाज बीमारी माना जाता है, उनका निदान एआई तकनीक से किया जाने लगा है। कुछ राष्ट्र तो इसके रिसर्च पर अरबो- खरबो रुपयों का बजट स्वीकृत कर चुके हैं । जबकि भारत सरकार ने एआई तकनीक रिसर्च के लिए ऊंट के मुंह में जीरे जितनी राशि स्वीकृत की है। जब तकनीकी और प्रगति गुणात्मक माइक्रो और नैनो पैमाने तक पहुंच रही है। वहीं हम सेंटीमीटर और मिलीमीटर के पाषाण युग में ही उलझे हुए हैं।

चन्द्रमोहन भगत

दुनिया भर के शोधार्थियों के अनुभव और रिसर्च जनरल दस्तावेजों में प्रसारित होते रहते हैं। संबंधित विषय में रुचि रखने वाले ऐसे रिसर्च पेपर खंगालते रहते हैं। भारतीयों के लिए निराशाजनक है कि एआई तकनीक पर शोध के लिए भारत सरकार ने 5 साल के लिए सिर्फ 10 हजार करोड रुपए का बजट रखा है। जबकि, बीते वर्ष 2023 में अमेरिका ने 7 लाख करोड़ और चीन ने 3:30 लाख करोड रुपए खर्च किए हैं। अगले 5 सालों के लिए भारत के 10 हजार करोड रुपए के मुकाबले अमेरिका 170 लाख करोड रूपया तो चीन 140 लाख करोड रूपया खर्च करने वाले देश हैं। भारत सरकार के 4 साल की बजट राशि होती है 170 लाख करोड रूपय, जिसे अमेरिका सिर्फ एआई तकनीक में प्रभुत्व जमाने के लिए खर्चने वाला है।

भारत का आम जनमानस भी एआई पर भारत की बजट राशि देखकर दावा कर सकता है कि आने वाले समय की सूचना तकनीक सुक्ष्म तकनीक में भारत का विश्व बाजार में कोई स्थान नहीं रहेगा। इधर एआई तकनीक की दुनिया में एनवीडीया माइक्रोचिप बनाने में सबसे आगे निकल गया है। भारत हार्डवेयर सॉफ्टवेयर दोनों क्षेत्रों में पिछड़ता ही जा रहा है। एआई तकनीक पर प्रभुत्व जमाने वाले राष्ट्र छोटे राष्ट्रों को दबाएंगे और तकनीक महंगी दरों पर बेचेंगें, वह भी अपनी शर्तों पर...।

भयावह पहलू यह है कि एआई का प्रयोग कर प्रकृति द्वारा प्रदत्त नैसर्गिक बर्ताव को भी बदला जा सकेगा सकता है। यहां तक की मौसम में बदलाव भी लाया जा सकता है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने चेतावनी भी दी है कि कोई अनजाने में ही एक घातक एआई बना सकता है जो मनुष्य से अधिक बुद्धिमान होगा और वह पृथ्वी पर बसने वाले प्राणियों की परवाह नहीं करेगा। अत्यधिक बुद्धिमत्ता से लेस होगा, ऐसा एआई जो इंटरनेट से निकल कर कृत्रिम जीवन की रचना करने में सक्षम होगा। यह कहना भी उचित होगा कि मनुष्य अपने से अधिक बुद्धिमान एआई के रचना करेगा तो उसे जैविक युद्ध का भी सामना करना पड़ सकता है । मानवीय पक्ष को रखने वाले वैज्ञानिक एआई के विकास को विश्व भर में प्रतिबंधित कराने के पक्षधर हैं। इंटरनेट के विश्व के शीर्षस्थ 15 हजार जानकारो ने अपने हस्ताक्षर से विश्व के उन्नत देशों के कर्णधारो से अपील की है कि एआई के विकास पर 6 माह के लिए रोक लगा देना चाहिए !

इनकी चिंता है कि अतिमानवीय क्षमताओं वाली एआई तकनीक ब्रह्मांड और दुनियाई नियमावली को अमान्य करते हुए पृथ्वी का विनाश रचने की क्षमता रखती है। चुंकि इसका निर्माण पूर्णता की ओर है और दुनिया भर की सरकार और धनाढ्यों का लगभग एक खरब रुपया इस पर लगा हुआ है। 60 साल पहले जब विनाशकारी एटम बम निर्माण को भी पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सका था आज भी विश्व के वही हालत हैं। सभी प्रमुख राष्ट्र ताकतवर, क्षमतावान होने के लिए इसे रोक नहीं पा रहे हैं। इन परिस्थितियों के उलट एआई के रिसर्च पर रोक लगाने से स्वास्थ्य विज्ञान में हो रही क्रांतिकारी खोजों पर रोक लग जाएगी। ऐसी एआई जैसी तकनीक का ईजाद होना मानव और पृथ्वी के लिए विकास से अधिक विनाश का द्योतक साबित हो सकता है।

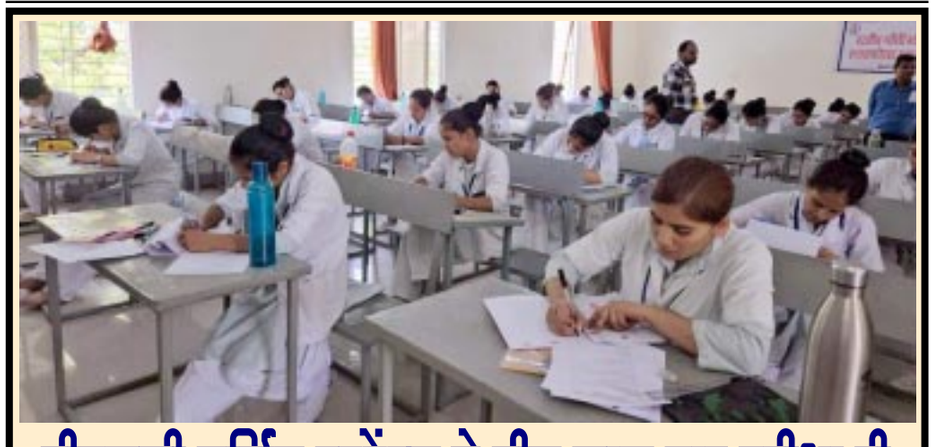

## बीएससी नर्सिंग स्टूडेंट्स ने तीन साल बाद परीक्षा दी

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** लम्बे समय बाद आखिरकार बुधवार को बीएससी नर्सिंग की परीक्षा आयोजित की गई। इसमें जिले के 325 विद्यार्थी शामिल हुए। शहर के परीक्षा सेंटरो पर एक पारी में आनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।

बता दे कि नर्सिंग विद्यार्थियों की परीक्षा करीब तीन सालों से आयोजित नहीं हो रही थी। परीक्षा नहीं होने से नर्सिंग छात्रों को भविष्य की चिंता सता रही थी। कई बार नर्सिंग छात्रों ने इसके लिए धरना प्रदर्शन, आंदोलन तक किए। तीन सालों में अब जाकर बीएससी नर्सिंग कक्षाओं की परीक्षा आयोजित हुई तो छात्रों ने खुशी का इजहार किया। डॉ वीपी तिवारी ने बताया कि जिले में करीब 325 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए हैं। सभी छात्रों की परीक्षा अच्छे से हुई है। बीएससी नर्सिंग के छात्र विकास पाटीदार ने बताया कि वे चार सालों से पढाई कर रहे हैं। लेकिन पिछले तीन सालों से उनकी परीक्षा आयोजित नहीं की जा रही थी। इसके लिए छात्रों ने कई बार आंदोलन भी किए। आज उनकी परीक्षा हुई तब जाकर उन्हें राहत मिली है, लेकिन हमारे चार साल बर्बाद हो गए।

## विचार-मंथन

# बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ीं

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में एक बार फिर इंसाफ की उम्मीद जगी है। दिल्ली की एक अदालत ने कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के आधार पर आरोप तय कर दिए हैं। छह में से पांच महिला पहलवानों के आरोपों को सही माना है। इस तरह अब बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पिछले वर्ष जनवरी में महिला पहलवान बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गई थीं। मगर तब पुलिस मामले को टालती रही। जब सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई, तब मुकदमा दर्ज किया गया। फिर भी जांच को लेकर टालमटोल का रवैया बना रहा। अदालत ने फिर फटकार लगाई, तो जांच शुरू हुई। पिछले वर्ष जून में दिल्ली पुलिस ने पंद्रह सौ पन्नों का आरोपपत्र दायर किया। उसमें महिला पहलवानों की तरफ से लगाए गए ज्यादातर आरोप सही पाए गए थे। पुलिस ने बृजभूषण शरण के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पीछा करने, धमकाने और महिला गरिमा को आहत करने के लिए मुकदमा चलाने की सिफारिश की थी। हालांकि उस पर पहली ही सुनवाई में अदालत ने मामले को एमपी-एमएलए अदालत में भेज दिया था। इस मामले में सरकार की तरफ से ऐसा कोई प्रयास नहीं किया गया, जिससे जाहिर हो कि वह महिला पहलवानों के पक्ष में है। पिछले वर्ष केंद्रीय खेलमंत्री ने महिला पहलवानों को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए एक जांच समिति गठित कर दी थी। मगर वह समिति चुप्पी साध कर बैठ गई। इससे नाराज पहलवान दुबारा धरने पर बैठ गईं। फिर उन्हें तरह-तरह से आंदोलन वापस लेने को विवश किया जाता रहा। जब आंदोलन कुछ उग्र होता दिखा तो पुलिस ने दमन का रास्ता अख्तियार किया और पहलवानों को धरना स्थल से उखाड़ फेंका था। उसके बाद महिला पहलवानों का हौसला जैसे पस्त पड़ गया। उन्होंने अपने पदक गंगा में बहाने की कोशिश की, फिर उन्हें प्रधानमंत्री निवास के बाहर रख आए। फिर भी बृजभूषण शरण सिंह पर कोई शिकंजा कसता नजर नहीं आया। वे बेखौफ घूमते रहे। विचित्र है कि जिन धाराओं में उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया गया, उनके तहत अगर कोई सामान्य नागरिक होता, तो उसे जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया गया होता। मगर बृजभूषण शरण न केवल बाहर घूमते रहे, बल्कि राजनीतिक बयानबाजी भी करते रहे। आखिरी वक्त तक लोकसभा चुनाव का टिकट हासिल करने की दौड़ में शामिल थे। हालांकि पार्टी ने उनकी जगह उनके बेटे को प्रत्याशी बना दिया। जिन महिला खिलाड़ियों ने बृजभूषण के खिलाफ आवाज उठाई थी, वे अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता हैं। वे अच्छी तरह जानती थीं कि उनके इस कदम का उन्हें क्या नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कुश्ती महासंघ को साफ-सुथरा बनाने के लिए एक तरह से अपना पूरा खेल जीवन दांव पर लगा दिया। मगर उन्हें इंसाफ दिलाने के बजाय सारा सरकारी तंत्र आरोपी के पक्ष में खड़ा नजर आया। जांच में जानबूझ कर देर की गई। अब अदालत के ताजा रुख से फिर उम्मीद बनी है कि इंसाफ हो सकता है। जब यौन उत्पीड़न के खिलाफ ऐसे नामचीन खिलाड़ियों की गुहार पर सुनवाई की प्रक्रिया में इतनी देर लग सकती है, जिनके साथ पूरे देश की भावना जुड़ी हुई है, तो सामान्य महिलाओं की दबंग लोगों के खिलाफ शिकायतों का निपटारा भला कहां तक और किस रूप में हो पाता होगा, समझना मुश्किल नहीं है।

# आरक्षण खत्म होगा या दायरा बढ़ेगा?

**अजय सेतिया**

विपक्ष का हर नेता चुनाव प्रचार में यही एक विषय जोरदार ढंग से उठा रहा है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन गए, तो यह आखिरी चुनाव होगा, मोदी आरक्षण खत्म कर देंगे और सेक्यूलर संविधान को बदल देंगे। दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं कि वह हिन्दू ओबीसी का कोटा छीन कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है और ऐसा करके संविधान के सेक्यूलर करेक्टर को खत्म कर रही है। दोनों सेक्यूलरिज्म बचाने की दुहाई दे रहे हैं। जबकि कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल कर लिया है, जिसका भाजपा विरोध कर रही है। वैसे जब गैर कांग्रेस वीपी सिंह सरकार ने मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू की थीं, तो उसमें मुसलमानों की उन ओबीसी जातियों को जोड़ लिया गया था, जो हिन्दुओं में भी होती हैं। उस वक्त किसी ने इस पर एतराज नहीं किया, हालांकि जब डाक्टर आम्बेडकर देश के विधि मंत्री थे, तब एक संवैधानिक आदेश जारी करके धर्म परिवर्तन कर के मुस्लिम या ईसाई बने दलितों को आरक्षण से वंचित कर दिया गया था। मुस्लिम ओबीसी भी धर्म परिवर्तन करके मुस्लिम बने हैं। 1950 में जब आरक्षण का लाभ सिर्फ हिन्दुओं को देने का फैसला हुआ था, तब जो आदेश जारी किया गया था उसमें कहा



गया था कि जो भी हिंदू धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म का पालन करता है वह अनुसूचित जाति में नहीं माना जाएगा। जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में ही केबिनेट से पारित करवा कर खुद डाक्टर आम्बेडकर ने राष्ट्रपति से यह संवैधानिक आदेश जारी करवाया था, जिसे अनुच्छेद में पैरा तीन के तौर पर जोड़ा गया था। क्योंकि आरक्षण हिन्दू समाज की उन जातियों के लिए दिया गया है, जिन्हें स्वर्ण हिन्दुओं ने सदियों तक दबा कर रखा था, जिस कारण वे विकास की दौड़ में पिछड़ गए इसलिए धर्म परिवर्तन करने वालों को आरक्षण से वंचित कर दिया गया। 1956 और 1990 में दलित मूल की सिख और बौद्ध जातियों को भी सूची में शामिल किया गया, इसका मूल कारण यही था कि सिख और बौद्ध हिन्दुओं के ही उप-धर्म माने जाते हैं। धर्मांतरण करके मुस्लिम और ईसाई बनने वाले दलित पिछले तीन दशक से आरक्षण का लाभ हासिल करने की मांग कर रहे हैं, उन्होंने सुप्रीमकोर्ट में कई याचिकाएं भी दाखिल की। लेकिन हिन्दू दलितों के विरोध के चलते कांग्रेस की नरसिम्हा राव सरकार और मनमोहन सिंह सरकार भी मुस्लिम और ईसाई दलितों को आरक्षण नहीं दे सकीं। इसका तार्किक कारण यह भी है कि जब दलितों के साथ तथाकथित भेदभाव के कारण ही उन्होंने धर्मांतरण किया है, तो वे आरक्षण के अधिकार से खुद ही वंचित हो जाते हैं। ईसाई व मुस्लिम धर्म दावा करते हैं कि उनमें जातिवाद के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। लेकिन धर्मांतरण करवाने वाले ईसाई और मुस्लिम भी उन्हें आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए लॉबिंग करते रहते हैं। दूसरी तरह जब ओबीसी को आरक्षण लागू किया गया, तो संविधान के अनुच्छेद 16 (1) का इस्तेमाल करते हुए मुसलमानों की भी 36 जातियां जोड़ ली गईं। संविधान के इस अनुच्छेद में यह व्यवस्था है कि अगर सरकार को लगता है कि कोई वर्ग पिछड़ा है, तो वह उसे आरक्षण का लाभ दे सकती है। केंद्र सरकार की ओबीसी लिस्ट में मुसलमानों की 36 जातियों को शामिल किया गया था, लेकिन जिन परिवारों की आय सालाना आठ लाख रूपए से ज्यादा है, उन्हें क्रीमी लेयर माना जाता है और उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलता। मनमोहन सरकार के समय सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया कि मुस्लिम समाज हिन्दुओं की ओबीसी जातियों से ज्यादा पिछड़ा है। 2009 में मनमोहन सरकार ने रंगनाथ कमेटी बनाई, जिसने अल्पसंख्यकों को 15 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की, जिसमें से दस फीसदी सिर्फ मुसलमानों को होना चाहिए। सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्र कमेटी की रिपोर्ट मनमोहन सरकार के दौरान ही आई थीं, लेकिन कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का साहस नहीं किया। कांग्रेस का एक वर्ग भी मुस्लिम आरक्षण का इस आधार पर विरोध करता रहा है कि जब धार्मिक आधार पर देश का बंटवारा हो गया था, तो मुसलमानों को भारत में आरक्षण क्यों दिया जाना चाहिए। नेहरू के समय यह विरोध बहुत तीव्र था, इसलिए 1950 में संवैधानिक आदेश जारी करके मुस्लिम और ईसाई दलितों को आरक्षण से वंचित किया गया था। जवाहर लाल नेहरू की पहल पर ही मुस्लिमों को आरक्षण से बाहर रखने का फैसला हुआ था। आम्बेडकर भी मुसलमानों को किसी तरह का आरक्षण दिए जाने के खिलाफ थे। जबकि अब कांग्रेस चाहती है कि सभी मुसलमानों को ओबीसी में शामिल कर लिया जाए, कर्नाटक में जहां उसकी सरकार है, उसने कर भी दिया है। पिछले दिनों लालू यादव ने सभी मुसलमानों को आरक्षण की वकालत की, तो भाजपा ने धार्मिक आधार पर आरक्षण का जम कर विरोध किया। इस समय दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक विचारधारा है, जो अनुसूचित जाति, जनजाति और ओबीसी के आरक्षण का दायरा बढ़ाकर उसमें मुस्लिमों और ईसाईयों को शामिल करना चाहती है। दूसरी विचारधारा है, जो जवाहर लाल नेहरू, डाकटर आम्बेडकर और अन्य सभी संविधान निर्माताओं की भावनाओं के अनुरूप आरक्षण को हिन्दू दलितों, हिन्दू आदिवासियों और हिन्दू ओबीसी तक सीमित रखना चाहती है। विचित्र स्थिति यह है कि जिस विचारधारा ने मुस्लिमों और ईसाईयों को आरक्षण से वंचित किया था, वह विचारधारा अब उन्हें आरक्षण देना चाहती है, क्योंकि उस विचारधारा को हिन्दुओं ने वोट देना बंद कर दिया है, और उन्हें मुसलमानों का वोट चाहिए। इसलिए वे हिन्दू एससी, एसटी ओबीसी के आरक्षण का लाभ मुसलमानों को भी देना चाहती है। जबकि दूसरी विचारधारा है।

# सुरक्षा का कानून बन रहा हथियार

**दीपिका अरोड़ा**

झूठे मुकदमों की अनवरत बढ़ती संख्या पर गहन चिंता प्रकटाते हुए हाल ही में शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85 तथा 86 (पूर्व धारा 498-ए) में आवश्यक बदलाव लाने पर विचार करने को कहा, चूंकि बहुतेरी शिकायतें घटना के अतिरंजित बयानों से युक्त होती हैं। उक्त टिप्पणी एक महिला द्वारा अपने पति के विरुद्ध दायर झूठे दहेज उत्पीडऩ मामले को रद्द करते समय की गई। महिला द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पति एवं उसके पारिवारिक सदस्यों ने कथित तौर पर दहेज की मांग की तथा उसे मानसिक व शारीरिक आघात पहुंचाया। पीठ के मुताबिक, एफ.आई.आर. तथा आरोप पत्र पढ़ने पर महिला द्वारा लगाए गए आरोप काफी अस्पष्ट, सामान्य तथा व्यापक लगे, जिनमें आपराधिक आचरण का कोई उदाहरण नहीं दिया गया था। दरअसल, दहेज उन्मूलन कानून का दुष्प्रयोग विगत कुछ वर्षों से विद्रूपतम स्तर पर जा पहुंचा है। ऐसे मामले भी देखने में आए, जहां संपत्ति विवाद अथवा अन्य पारिवारिक कारणों के चलते ससुराल पक्ष से संबद्ध किसी व्यक्ति पर दुष्कर्म के मिथ्यारोप जड़ दिए गए। विगत वर्ष दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महिला द्वारा ससुराल पक्ष पर लगाए गए झूठे दहेज उत्पीडऩ एवं दुष्कर्म आरोपों को 'घोर क्रूरता' बताते हुए अक्षम्य करार दिया था। निश्चय ही, दहेज प्रथा समूचे समाज के लिए अभिशाप है। इसके कारण अनेक बेटियों को मानसिक, शारीरिक अथवा सामाजिक उत्पीडऩ का सामना करना पड़ता है। आई.पी.सी.-1860 के सामान्य प्रावधान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही सन् 1983 को इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जोड़ी गई, जिसे धारा 85-86 के तहत अधिक विस्तृत बनाने का प्रयास किया गया। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 85 के अंतर्गत, किसी महिला के पति अथवा पति के संबंधी द्वारा महिला के प्रति क्रूरता बरतने पर तीन वर्ष की कैद की सजा तथा जुर्माना लगाने का प्रावधान है। धारा 86 में क्रूरता को परिभाषित किया गया है, जिसमें महिला का मानसिक-शारीरिक उत्पीडऩ, दोनों शामिल हैं। कानून दुरुपयोग के संदर्भ में न्यायिक संस्थानों की चिंता कतई निराधार नहीं, वर पक्ष के लिए यह गले की फांस बन सकता है। कानपुर से संबद्ध एक झूठे दहेज हत्या मुकदमे में विवेचक की लापरवाही के चलते पति व सास-ससुर के विरुद्ध चार्जशीट कोर्ट भेज दी गई। विवेचना संबंधी खामियां उजागर होने पर अपर जिला जज ने पति व सास-ससुर को दोषमुक्त करार दिया। फैसला आने तक पति 2 वर्ष का कारावास काट चुका है। मुकदमेबाजी से लेकर बरी होने तक की कानूनी प्रक्रिया के दौरान न केवल पूरे परिवार को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है, अपितु शारीरिक-मानसिक स्थिति के साथ सामाजिक प्रतिष्ठा पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कथित तौर पर, पत्नी द्वारा दहेज उत्पीडऩ मुकदमा दर्ज करवाने पर गत वर्ष राजधानी के नाका हिंडोला निवासी 45 वर्षीय राजेश जायसवाल ने मानसिक दबाव के चलते आत्महत्या कर ली थी। बाराबंकी के विकास ने भी आई.पी.सी. की धारा 498-ए का मुकदमा लिखे जाने तथा ससुरालजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने पर मौत को गले लगा लिया। संवेदनात्मक स्तर पर आहत व्यक्ति आत्मघात की ओर उन्मुख होने लगे तो समूचे समाज व व्यवस्था के लिए एक विचारणीय प्रश्न बन जाता है। किसी भी प्रकार का संत्रास झेलना यद्यपि सरल नहीं, तथापि विषम परिस्थितियों से हारकर जीवन का अंत करना क्या उचित है? कदापि नहीं, दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना करना ही पड़े तो पत्नी द्वारा झूठे केस में फंसाने संबंधी दी गई धमकी को चैटिंग, ऑडियो रिकॉर्डिंग अथवा मैसेज आदि के रूप में सुरक्षित रखना मतिपूर्ण होगा। ठोस प्रमाण होने के नाते ये त्वरित जमानत दिलाने में सहाई बन सकते हैं। पत्नी द्वारा दहेज मामले में फंसाने की धमकी देकर घर छोड़ने पर वैवाहिक अधिकारों की प्रतिस्थापन धारा-9 के तहत, उसे अपने पास बुलाने हेतु न्यायालय में याचिका दाखिल की जा सकती है। पति के पक्ष में यह पुख्ता सबूत होगा कि पत्नी अपनी इच्छानुसार घर छोड़कर गई है। निस्संदेह, महिलाओं का सम्मान-सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दहेज उन्मूलन कानून का कठोरतापूर्वक लागू होना अत्यावश्यक है, किंतु निहित स्वार्थवश अथवा विद्वेष के चलते कानूनी प्रावधान को प्रहार के रूप में प्रयुक्त करना पूर्णतः अनैतिक है।

## भंसाली की हीरामंडी में लाहौर के हिंदू गायब

आधुनिक लाहौर के निर्माता सर गंगाराम ने लाहौर की हर आधुनिक इमारत डिजाइन की थी, जैसे म्यूजियम, पोस्ट ऑफिस, नेशनल कॉलेज, केमिकल लेबोरेटरी, हॉस्पिटल आदि। लेकिन उसी वक्त के लाहौर को फिल्माते वक्त संजय लीला भंसाली ने अपनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' से हिंदुओं को मानो गायब ही कर दिया है। 'हीरा मंडीः द डायमंड बाजार' की कहानी है लाहौर में जिस्म के बाजार हीरा मंडी के एक कोठे की। इस कोठे की हुजूर हैं मल्लिका जान (मनीषा कोइराला)। मल्लिका जान और उसका आशिक नवाब जुल्फिकार (शेखर सुमन) मल्लिका की छोटी बहन (सोनाक्षी सिन्हा) के बेटे की हत्या कर आत्महत्या का रूप दे देते हैं और मल्लिका बहन की सम्पत्ति पर कब्जा कर बन जाती है हीरा मंडी की मल्लिका। वेब सीरीज की कहानी अपनी जगह, लेकिन सवाल उठते हैं संजय लीला भंसाली के आजादी के पहले के लाहौर को पूरी तरह 'मुस्लिम लाहौर' दिखाने और इतिहास के साथ छेड़ेटे से खेल को लेकर। एक तो गलती भी है कि कैसे कहानी भारत छोड़ो आंदोलन के आसपास चल रही है, और आखिरी एपिसोड में अंग्रेज अधिकारी कहता है कि भारतीय फौजें भी अंग्रेजी फौजों के साथ मिलकर लड़ेंगी। जबकि तब दूसरा विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था। दूसरे भंसाली ने तब के लाहौर को शायद आज का लाहौर समझ लिया, जहां हिंदू ना के बराबर हैं, केवल उर्दू के अखबार चलते हैं और नवाबों का राज चलता है। पूरी सीरीज में गिनती के हिंदू किरदार हैं। रिचा चड्ढा शायद इकलौती हिंदू नाम वाली तवायफ होती हैं। उसी तरह क्रांतिकारियों में केवल बलराज नाम का इकलौता हिंदू दिखता है जबकि कोठे के गाड़ीवान इकबाल और क्रांतिकारी गुरूदास को सिख दिखाया गया है। सच्चाई यह है कि जिस दौर के लिए सीरीज बनी है उसमें असहयोग आंदोलन के वक्त लाहौर में 38 प्रतिशत हिंदू सिख थे और भारत छोड़ो आंदोलन के वक्त 35 प्रतिशत। भंसाली को ये भी पता होना चाहिए कि बीसवीं सदी में अशफाकुल्लाह खान के अलावा कोई भी मुस्लिम क्रांतिकारी चर्चा में नहीं आया था, लड़की तो भूल ही जाइए। आसफ अली, मौलाना आजाद जैसे नेता कांग्रेस के थे। ज्यादातर मुस्लिम उन दिनों या तो जिन्ना के साथ अलग पाकिस्तान की लड़ाई लड़ रहे थे, या उससे पहले खिलाफत आंदोलन के लिए लड़ रहे थे। खास बात यह है कि आजादी के आंदोलन के दौरान चंद्रशेखर आजाद का छद्म नाम बलराज ही होता था। जिस मुस्लिम लड़की के अंग्रेज अफसर को सभा में भूनने की घटना दिखाई गयी है वो बंगाल की वीरांगना प्रीतिलता वाडेदार की कहानी से प्रेरित लगती है। पूरी सीरीज में कहीं भी गांधी, जिन्ना, नेहरू, लाला लाजपत राय तो छोड़िए भगत सिंह का नाम तक क्रांतिकारी नहीं लेते जबकि लाहौर में ही उन्हें फांसी दी गई थी। ये बात हजम नहीं होती। अगर भंसाली अपनी कहानी को पूरी तरह काल्पनिक रखना चाहते थे तो फिर आजादी की लड़ाई और लाहौर की हीरामंडी का नाम क्यों लिया गया वैसे भी लाला लाजपत राय, भगत सिंह और आजाद की मौत के बाद लाहौर में कोई क्रांतिकारी घटना की जानकारी नहीं है। जानकारी मिलती है तो हिंदू मुस्लिम दंगों की जिसकी आग में अभिनेता प्राण का घर फूंक दिया गया था। उसके बाद गुस्से में वो कभी पाकिस्तान नहीं गए। इसी विषय पर बनी फिल्म करण जौहर की 'कलंक' जरुर ये दिखाती है कि तब लाहौर में चौधरी (संजय दत्त) का हीरा मंडी की एक तवायफ से बेटा जफर (वरुण धवन) होता है, जिसे वो नहीं अपनाते। बाद में जब वो बदला लेना चाहता है तो उसका दोस्त अब्दुल शहर को हिंदू मुस्लिम दंगों की आग में झोंक देता है।

राहुल गांधी ने रायबरेली में सैलून में दाढ़ी कटाई बाल सेट करवाया




## आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-1-5-7

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible] शुभांक-5-7-9

कन्या : [illegible] शुभांक-3-5-7

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible] शुभांक-3-5-7

मकर : [illegible] शुभांक-2-4-6

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5236

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | 4 | | 6 | | |
| 9 | | | | | | | | 3 |
| 1 | | | | | 3 | | 4 | 5 |
| 5 | 6 | | | 7 | | 1 | | |
| | | 4 | 8 | | 5 | 9 | | |
| | | 1 | | 6 | | | 5 | 2 |
| 6 | 9 | | 5 | | | | | 1 |
| 4 | | | | | | | | 9 |
| | | 8 | | 9 | 6 | | | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5235

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 1 | 6 | 9 | 2 | 3 | 5 | 8 | 7 |
| 5 | 8 | 2 | 4 | 1 | 7 | 6 | 9 | 3 |
| 3 | 9 | 7 | 6 | 8 | 5 | 4 | 1 | 2 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 2 | 5 | 8 |
| 1 | 5 | 8 | 3 | 7 | 2 | 9 | 4 | 6 |
| 6 | 2 | 4 | 8 | 5 | 9 | 7 | 3 | 1 |
| 9 | 7 | 3 | 2 | 4 | 1 | 8 | 6 | 5 |
| 2 | 6 | 1 | 5 | 9 | 8 | 3 | 7 | 4 |
| 8 | 4 | 5 | 7 | 3 | 6 | 1 | 2 | 9 |

## वर्ग पहेली 5236



संकेत: बाएं से दाएं

1. सन् 2000 में यह भारत का 28 वां राज्य बना (4)
4. तुल्यता, बराबरी, संतुलन (3)
7. बाधा, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
8. जिससे काम निकल जाए (5)
9. प्रथा, रिवाज, रस्म (3)
12. संगीत का एक अंग जिसमें कलात्मक ढंग से अंगों का संचालन करना, नृत्य (2)
14. जंगल, अरण्य, वन (3)
15. उतनी वस्तु जितनी एक बार में ली व [illegible] जाए (2)
16. अंतत, अवश्यमेव, अंत (3)
18. कुटिलता, धोखा या छल करने का भाव (4)
20. अंगहीन, अशक्त (3)
21. महाशय, श्रीमान, महोदय (3)
22. एक स्वीकृति सूचक शब्द (1)

ऊपर से नीचे

1. मटटा टीकना, पिटारा (2)
2. आंख आना, ओसवाले वस्त्र, आई हुई आंख (3)
3. पश्चिमी अफ्रीका के उभार पर स्थित देश सेनेगल की राजधानी, उष्णवायु (3)
4. यथार्थत, ठीक-ठीक (4)
5. बुढ़ी (मराठी) (2)
6. जो रिश्ते में पिता के बड़े भाई हों (2)
10. स्तूप के आकार का (4)
11. इस वृक्ष के छोटे फलों से मदिरा का निर्माण होता है (3)
12. सिख धर्मावलंबी, खालसा (5)
13. अवाम, पब्लिक (3)
15. दरवाजा तट, पर्वत ढाल (2)
17. ऐतिहासिक, इस फिल्म में संजीव कुमार ने एक पागल की यादगार भूमिका की थी (1970) (3)
19. पैर, पांव, डग, कदम (2)

### वर्ग पहेली 5235 का हल

# एम्स को औबेदुल्लागंज में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**भोपाल।** दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में जाकर वहां के निवासियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह का एक लक्ष्य है। उनका मानना है कि जब तक हम ग्रामीणों तक नहीं पहुंचेंगे ग्रामीण अंचलों तक नहीं पहुंचेंगे तब तक हम सही रूप में मानव की सेवा नहीं कर सकते। इसी सिलसिले में 13 मई को एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया को लेकर रायसेन जिले के उबैदुल्लाह गंज में स्थित पीएचसी चिकलोद में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया - किसी दवा या दवा लेने के तुरंत बाद होने वाले लक्षण से जुड़े होते हैं। इस कार्यक्रम में दवाओं से संबंधित प्रतिकूल ड्रग रिएक्शन पर गांव वासियों को जानकारी दी गई। यहां यह बताना भी आवश्यक है कि एम्स भोपाल फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए एक एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर के अलावा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र भी है, जो एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग और कम्युनिटी एंड फेमिली मेडिसिन विभाग के सहयोग से कार्य करता है। कार्यक्रम के दौरान इंटरएक्टिव डिस्कशन आयोजित किए गए। जिसमें लोगों को बताया गया कि अगर कोई दवा का रिएक्शन होता है तो किस तरह से उसकी जानकारी देनी चाहिए और साथ ही इसकी रिपोर्टिंग भी किस तरह से करनी चाहिए। इस जागरूकता कार्यक्रम को एम्स भोपाल के सीनियर रेजिडेंट डॉ अभिषेक मिश्रा और उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया।

# आनंद प्राप्ति का सबसे प्रभावी माध्यम एकनिष्ठ, एकाग्र प्रयास: मंगुभाई पटेल

## राज्यपाल अल्प विराम प्रशिक्षण के समापन समारोह में हुए शामिल

## राजभवन में राज्य आनंद संस्थान द्वारा दो सत्रों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भोपाल, नप्र।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि किसी भी कार्य को एकनिष्ठ और एकाग्र भाव के साथ करना आनंद प्राप्ति का सबसे प्रभावी माध्यम है। अल्प विराम प्रशिक्षण की सीख को 365 दिन याद रखें। प्रतिदिन अपने आचरण में पालन का प्रयास करें। मन प्रफुल्लित रहेगा तो जीवन भी आनंदमय होगा। पटेल आज राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित अल्प विराम प्रशिक्षण के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित समापन समारोह में राज्यपाल के प्रमुख सचिव मुकेश चन्द गुप्ता मौजूद थे। राज्यपाल पटेल ने कहा कि जीवन में आत्मिक आनंद का विशेष महत्व है। हमें जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। उन्होंने एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी के साथ अनुचित व्यवहार की आत्म ग्लानि सारा जीवन कष्ट देती है। इसलिए कभी भी जाने-अनजाने में ऐसा कार्य नहीं करें जो व्यक्ति को हानि पहुँचाए। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हम सभी लोग वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात सारा विश्व हमारा परिवार है, इन संस्कारों के साथ पले-बढ़े हैं। अतः हमें छोटे-बड़े, गरीब, वंचित, दुखी सबका मान-सम्मान परिवार की भांति करना चाहिए। उनकी हर सम्भव मदद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों का लालन-पालन उनके माता-पिता अपने सामर्थ्य से आगे जाकर करते हैं। स्वयं कष्ट में रहकर बच्चों को सुविधा देने का प्रयास करते है। सफलता मिलने पर जब बच्चों को अपने माता-पिता को कभी नहीं भूलना चाहिए। मकान के बाहर मातृछाया, पितृछाया लिखने से नहीं बल्कि दिल से उनका सम्मान करना चाहिए। राज्यपाल पटेल ने कहा कि हर व्यक्ति में सद्गुण और दुर्गुण होते हैं। सद्गुणों का सदुपयोग व्यक्ति के हाथ ही में होता है। अल्प विराम का प्रशिक्षण इन सद्गुणों को आचरण में उतारने का प्रशिक्षण है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में कठिनाईयों से बचा नहीं जा सकता। प्रभु श्रीराम को भी जीवन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था। इसलिए जरूरी है कि जब सुख की अवस्था हो तो उसमें खोएं नहीं। साथ ही दुख में निराश भी नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल पटेल का समापन कार्यक्रम के प्रारम्भ में निदेशक राज्य आनंद संस्थान प्रवीण गंगराड़े ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पटेल ने दो सत्रों में आयोजित हुए अल्प विराम कार्यक्रम के सभी मास्टर ट्रेनर्स को शॉल और मिठाई प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान अल्प विराम कार्यक्रम में भाग लेने वाले अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने अनुभव बताए। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव उमाकांत भार्गव, विधि अधिकारी उमेश कुमार श्रीवास्तव और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन राज्य आनंद संस्थान के मनोज दीक्षित ने किया।

# पूरे भारत में रचनात्मकता और प्रतिभा का जश्न

**भोपाल, नप्र।** हाउस ऑफ नवनीत एजुकेशन से यूवा स्टेशनरी (यूवास्टेशनरी), पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित यूवा मास्टर स्ट्रोक' प्रतियोगिता के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है। यूवा मास्टर स्ट्रोक एक विशेष मंच है,जो छात्रों को ड्राइंग के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को उजागर करने का अधिका र देता है। दो दशकों की विरासत के साथ, यह वर्ष इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की 20वीं वर्ष गांठ था। 2023 संस्करण में 22 राज्यों के कुल 5251 स्कूलों ने उत्साह पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें लगभग 13.6 लाख छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रकृति औ र कल्पना का प्रदर्शन किया ।प्रतिभागियों को तीन आयु समूहों में वर्गीकृत किया गया था, प्रत्येक को उनके चित्र के लिए विशिष्ट विषय सौंपे गए थे। यूवा के मुख्य रणनीति अधिकारी अभिजीत सान्याल ने कहा, हम भारत में इतने सारे राज्यों में छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का जश्न मनाते हुए यूवा मास्टर स्ट्रोक के एक और सफल संस्करण को देखकर खुश हैं।यह प्रतियोगिता न केवल युवा कलाकारों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है,बल्कि कलात्मक अभिव्यक्ति और सराहना की संस्कृति को भी बढ़ावा देती है।मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं। यूवा का मानना है कि ड्राइंग, अभिव्यक्ति की एक सार्वभौमिक भाषा होने के नाते, छात्रोंको अपने विचारों और भावनाओं को चुपचाप संवाद करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, उनकी सहज कलात्मक प्रतिभाओं का पोषण करता है।यूवा मास्ट रस्ट्रोक उसी का एक प्रमाण है।

# आबकारी विभाग ने अवैध शराब तस्करी पर कसी नकेल

भोपाल, नप्र।

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर, भोपाल आबकारी विभाग ने अवैध शराब तस्करी पर अपनी पकड़ मजबूत की है। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में, सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा की अगुवाई में, भोपाल के सुभाष नगर इलाके में एक बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी नियंत्रक रामगोपाल भदौरिया के निर्देश पर, आबकारी टीम ने संवेदनशील क्षेत्र में छापेमारी करते हुए, आदतन अपराधी संतोष यादव उर्फ बब्बू यादव के घर से 12 पेटी विदेशी मदिरा जब्त की। इस कार्रवाई में वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक वर्षा उईके ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क, 34(2), और धारा 45 के तहत प्रकरण दर्ज करते हुए, आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तस्करी के स्रोत की जांच जारी है। भोपाल जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ विभाग द्वारा निगरानी तेज की गई है। अनिल अहिरवार, हेमवती बाई, अमन चंडालिया, और आशिफ खाँ जैसे तस्कर पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। ईशान शिवहरे, राजू सिंधी, विक्की सरदार सहित अन्य कई तस्करों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त रायचुरा ने बताया कि चुनावी अवधि में तस्करों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई से उनमें हड़कंप मचा है। ठेकेदारों पर भी विभाग की नजर है, और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# प्लेहोटल में मध्यप्रदेश की धरोहर प्रदर्शित होती है: जनरल मैनेजर

**भोपाल।** हर लोगों की चाहत होती है कि हम ऐसे होटल में जाये, जो काफ़ी आलीशान हो और लाइफ़ की हर सुख सुविधाओं से लैस हो, हम ऐसे ही एक होटल से आपको रूबरू करवा रहे है जो राजधानी भोपाल के लालघाटी स्थित हलालपुरा बस स्टैंड के सपीप प्लेओटेल इन आरिया के नाम से जाना जाता है। इस होटल को तमाम विलासितापूर्ण सुविधाओं के साथ बनाया गया है। गोल्डन कलर की यह खूबसूरत इमारत किसी सोने की परत चड़ी हुई खूबसूरत इमारत की तरह दिखाई देती है। इस होटल के प्रवेश द्वार पर आपको एक प्राकृतिक सौंदर्य का एहसास करवाता हुए झरना दिखाई देगा, इसके साथ ही प्रवेश द्वारा पर एक खूबसूरत एक विशाल प्यानो दिखाई देगा, जिसे गेस्ट सेल्फ़ी पॉइंट की तरह भी इस्तेमाल करते हैं, यहाँ आने वाले मेहमान को एक वेलकम ड्रिंक सर्व की जाती है, होटल में और आगे चलने पर एक सुंदर सा रिसेप्शन काउंटर बनाया गया है, और इसके ठीक सामने मेहमानों के बैठने के लिए वेटिंग हाल बनाया गया जिसके ठीक सामने एक बड़ा टीवी दिखाई देता है जिसमें राजधानी भोपाल सहित मध्यप्रदेश की तमाम उन धरोवर को दिखाया जाता है जो हमारे प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देता है। इस प्लेओटेल इन आरिया में एक खूबसूरत प्ले डाइन रेस्टोरेंट भी है, जिसकी खूबसूरती शब्दों में बया नहीं की जा सकती आपकी जानकारी के लिये बता दे की इस रेस्टोरेंट की बनावट में स्टोन विनियर का इस्तेमाल किया गया है जो इस रेस्टोरेंट को और भी आकर्षण बनाता है।

# सांस ले तो पेट फूले और जब छोड़े तो पेट पिचके-योग गुरु

## नि:शुल्क योग शिविर में रोटरी सदस्यों ने पहुंचकर बच्चों का किया उत्साहवर्धन

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** दशपुर योग शिक्षा संस्थान, मंदसौर द्वारा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु आयोजित 6 दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर के द्वितीय दिवस 15 मई को रोटरी क्लब मंदसौर ने भी उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस शिविर में 60 बच्चे योग क्रियाओं और उसके लाभों के बारे में शिक्षा ले रहे है।

शिविर में योग गुरु सुरेन्द्र जैन ने कहा कि सांस हर व्यक्ति लेता है, लेकिन उसे लेने का सही तरीका कम लोगों को ही पता है। इसका सही तरीका है जब सांस लें तो पेट फूले और जब छोडें तो पेट पिचके। सांस का आवागमन यदि व्यवस्थित हो जाए तो व्यक्ति कई बीमारियों से मुक्त रह सकता है। शरीर में जितनी देर ऑक्सीजन रहेगी, हमें उर्जा का अहसास होगा। आपने कपालभाति प्राणायाम के माध्यम से साँस लेने की तरीके बताये। शिविर में बच्चों को ध्यान, योग व प्राणायाम के जरिए स्वस्थ रहने व जीवन में एक नई स्फूर्ति का संचार करना का तरीका सिखाया गया। रोटरी क्लब अध्यक्ष पवन पोरवाल ने कहा कि बडों की तुलना में बच्चे जल्दी सीखते है व अपनाते है।बच्चों को कम उम्र में ही योग से परिचित कराना उनके भावी जीवन के लिये उत्तम कार्य है। योग संस्था द्वारा बच्चों के विकास हेतु आयोजित यह शिविर प्रशंसनीय है। संस्था अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बच्चों से योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाने की बात कही। शिविर के दौरान रोटरी अध्यक्ष पवन पोरवाल, सीईओ दिनेश जैन, शरद गांधी, प्रेमेन्द्र चौरडिया, रितेश भगत को नन्हें-मुन्नें बच्चों ने माला पहनाकर स्वागत किया। योग क्रियाओं का प्रदर्शन योग शिक्षक प्रीति जैन व सोनल जैन ने दिया। बच्चों को पौस्टिक लस्सी एवं बिस्किट का वितरण रोटरी क्लब द्वारा किया गया। शिविर में ओम गर्ग, विजय पलोड, जितेश फरक्या, जिनेन्द्र उकावत, महेश सेठिया, नेहा गांधी, सुभाष पाटीदार, अनुराग माली, शोकीन धाकड, शौंकी कश्यप आदि ने दी। आभार संचालन संस्था सचिव लोकेन्द्र जैन ने किया व आभार प्रेमेन्द्र चौरडिया ने माना।

## ग्रीष्म ऋतु में पशुपालक पशुओं में हिट स्ट्रोक से करें बचाव

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बताया गया कि ग्रीष्म ऋतु में माह मई एवं जून में अत्यधिक तापमान होने से पशुओं पर इसका सीधा असर होता है। जिससे पशुओं में हिट स्ट्रोक होने पर पशु सुस्त हो जाते, पशु सिर नीचे रखते हुये मुँह खोल कर साँस लेते, पशु का तापमान बढ जाता, पशु के मुँह से लार गिरती, श्वान गति बढ जाती, नाक व नथुने सुख जाते एवं पशु का दुग्ध उत्पादन अचानक कम हो जाता है। हिट स्ट्रोक से बचाव हेतु पशुओं को चारा दाना सुबह जल्दी एवं देर शाम को दे क्योंकि इनके पाचन से शरीर में उष्मा पैदा होती है। दिन में पशुओं को हरा चारा एवं आवश्यक खनिज तत्व देवें। पशुओं को पुरे दिन में ठंडा जल चार से पॉच बार पिलाए। पशुओं को रखने का स्थान साफ एवं खुला हवादार होना चाहिये। पशुशाला में टाट बोरिया आदि भिगोकर लगा सकते है। शेड में पंखे एवं पानी के फव्वारे भी उपयोग कर सकते है। पशुओं को सुबह एवं शाम ठंडे पानी से नहलाये।

# रत्नावतों का महाकुंभ भैसोदा में 23 को

## स्वामी 1008 ज्ञानानंदजी तीर्थ महाराज के सानिध्य में होगा मंदिर स्वर्ण कलशारोहण

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** रत्नावत स्व गोत्र का मिलन समारोह मंदसौर जिले के ग्राम भैसोदा में आगामी 23 मई, गुरूवार को आयोजित होने जा रहा है। इस दौरान श्री भैरूजी महाराज मंदिर स्वर्ण कलशारोहण महोत्सव भी आयोजित होगा।

उक्त जानकारी देते हुए आयोजन समिति संरक्षक श्री कैलाश नारायण रत्नावत संयोग एवं अध्यक्ष कमलेश रत्नावत ने बताया कि 23 मई श्री भैरूजी महाराज मंदिर स्वर्ण कलशारोहण महोत्सव स्वामी श्री श्री 1008 ज्ञानानन्दजी तीर्थ महाराज ज्योर्तिमठ अवान्तर भानपुरा पीठ के पावन सानिध्य में अमृतमयी आशीर्वचन के साथ होगा। स्वर्ण कलश के मुख्य यजमान वासु-सुंदर रत्नावत ढलमुवाला व ध्वजा के लाभार्थी रत्नावत परिवार मालिया वाला तथा प्रसादी दीपक रत्नावत भोपाल के सौजन्य से होगी। तीन दिवसीय आयोजन के तहत 21 मई, मंगलवार को हैमाद्री स्नान, जलयात्रा, मण्डप प्रवेश, गणपति पूजन देव स्थापना, मण्डल पूजन, धन्याधिवास, जलाधिवास का आयोजन होगा। 22 मई, बुधवार को अग्नि स्थापना, पुष्पाधिवास, देवस्नपन, भैरव अर्चन तथा रात्रि को सुंदरकांड होगा। दिनांक 23 मई, गुरूवार को शिखर स्थापना, पूर्णाहूति, महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। यज्ञ का आयोजन आचार्य प्रथम भारद्वार भानपुरा के सानिध्य में होगा। तीनों दिवस स्वल्पाहार व भोजन की व्यवस्था की गई है। विस्तृत जानकारी आयोजन समिति द्वारा वाट्सग्रुप में भी दी गई है। समिति संरक्षक कैलाश नारायण रत्नावत, बालकृष्ण रत्नावत, कमलेश रत्नावत, मुकेश रत्नावत, निलेश रत्नावत, चेतन रत्नावत, वासु रत्नावत, रामनिवास रत्नावत, रामप्रसाद रत्नावत, नंदकिशोर रत्नावत, रामस्वरूप रत्नावत, संतोष रत्नावत सभी स्वगोत्रीय बन्धुओं से तीन दिवसीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने की अपील की है।

## सचिन तेंदुलकर के आवास पर तैनात कांस्टेबल ने की आत्महत्या

**जलगांव, 15 मई।** भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के आवास पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल प्रकाश गोविंद कापडे ने आज महाराष्ट्र के जलगांव स्थित अपने गृहनगर में स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर घर के अन्य लोग उठकर पहुंचे तो देखा कि प्रकाश गोविंद कापडे खून से लथपथ पडे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) में तैनात प्रकाश गोविंद कापडे उम्र 39 वर्ष करीब एक सप्ताह पहले परिवार के साथ अपने गृहनगर जामनेर आए थे। जहां पर देर रात डेढ बजे प्रकाश ने अपनी सरकारी बंदूक से सिर में गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर घर के अन्य लोग भी जाग गए और उन्हें खून से लथपथ अवस्था में पाया। परिजन उठाकर प्रकाश को अस्पताल ले गए। जहां पर डा:टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जांच में अधिकारियों को उनके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रकाश गोविंद कापडे करीब 15 साल पहले एसआरपीएफ में शामिल हुए थे। वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर महाराष्ट्र पुलिस की विशेष सुरक्षा इकाई एसपीयू में कार्यरत थे।

# सांई फुटबॉल क्लब मंदसौर की बैठक संपन्न

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** साई फुटबॉल क्लब मंदसौर के वार्षिक बैठक नूतन स्टेडियम फुटबॉल ग्राउंड पर क्लब के उपाध्यक्ष विनय दूबेला की अध्यक्षता व अध्यक्ष अनिल कियावत के विशेष अतिथ्य में संपन्न हुई इस बैठक में पूरे वर्ष आयोजित की जाने वाली फुटबॉल की गतिविधियों पर चर्चा की गई व उपस्थित सीनियर खिलाडियों ने अपने सुझाव व आवश्यकताए बताई जिस पर अध्यक्ष महोदय अनिल कियावत द्वारा पूरी सक्रियता से सहयोग करने का आश्वासन दिया गया क्लब के प्रशिक्षक निमिश दुग्गड ने नियमित रूप से समर कैंप में भाग लेने वाले खिलाडियों के लिए एक प्रतियोगिता के आयोजन का सुझाव रखा जिसमें नियमित रूप से अभ्यास कर रहे हैं 70 से अधिक मिनी जूनियर सीनियर के खिलाडियों को शामिल कर 6 टीमें बनाई गई सभी टीमों में एक एक सीनियर खिलाड़ी कप्तान व मैटर के रूप में नियुक्त किए गए यह सभी खिलाड़ी 19 तारीख से आयोजित होने वाली लीग प्रतियोगिता भाग लेंगे आईपीएल की तर्ज पर इस प्रतियोगिता में भी प्रत्येक टीम में दो सीनियर खिलाड़ी 2 जूनियर खिलाड़ी तथा बाकी सभी मिनी वर्ग के खिलाड़ी होंगे ताकि सभी खिलाड़ियों को एक दूसरे के साथ खेलने का मौका मिल सके व सीनियर खिलाड़ियों से खेल की बारीकिया सीख सके प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार व नगद राशि पुरस्कार के रूप में दिए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया इसके पश्चात इन खिलाड़ियों में से चयन करके एक टीम बनाई जाएगी जो संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में साई फुटबॉल क्लब का प्रतिनिधित्व करेगी और भी कई गतिविधियों को लेकर इस बैठक में चर्चा की गई है इस बैठक में सीनियर खिलाड़ी सार्थक जाधव, अंकित जाधव, आराध्य पोरवाल, संदेश अंश शर्मा, निहाल कल्याण, उत्कर्ष सिंह चंदेल, अंशुमान वाजपेई, आयुष खेत्रा, चिंटू, अजय आदि खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे यह जानकारी साई फुटबॉल क्लब के सचिव राकेश श्रीवास्तव ने दी।

## मंत्री आलमगीर आलम गिरफ्तार

**रांची, 15 मई।** झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को सात घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले दिनों आलमगीर के पीएस के नौकर के घर से 30 करोड़ रुपए कैश मिले थे। मामला टेंडर कमीशन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का है।

मंत्री आलमगीर आलम को आज ईडी ऑफिस में बने हाजत में रखकर मेडिकल जांच की जाएगी। इसके बाद उन्हें गुरुवार 16 मई को 10 बजे पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस दौरान ईडी कोर्ट से रिमांड की मांग करेगी। इससे पहले ईडी के अधिकारियों ने मंगलवार को भी उनसे 9 घंटे पूछताछ की थी। ईडी ने उन्हें आज फिर पूछताछ के लिए बुलाया था। जांच एजेंसी की ओर से उन्हें पूछताछ के लिए 12 मई को नोटिस भेजा था। आलमगीर आलम झारखंड की महागठबंधन सरकार में कांग्रेस के कोटे से मंत्री हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मनी लॉन्ड्रिंग के एक अन्य मामले में ईडी की गिरफ्त में हैं। प्रवर्तन निदेशालय की रिमांड में चल रहे मंत्री आलमगीर आलम के पीए संजीव लाल ने भी जांच एजेंसी को कई जानकारियां दी हैं।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 136 | 2070 | 2260 |
| उडद | 5 | 3990 | 3990 |
| सोयाबीन | 3035 | 4305 | 4787 |
| गैहु | 10000 | 2661 | 3001 |
| चना | 504 | 5590 | 6162 |
| मसुर | 113 | 5000 | 5801 |
| धनिया | 236 | 5340 | 7401 |
| लहसुन | 18000 | 4000 | 23000 |
| मैथी | 853 | 4850 | 5910 |
| अलसी | 1389 | 5350 | 5930 |
| सरसो | 400 | 5000 | 5300 |
| तारामीरा | 1 | 4500 | 4500 |
| इसबगोल | 91 | 9200 | 15000 |
| प्याज | 2311 | 300 | 1601 |
| कलोंजी | 0091 | 16250 | 19700 |
| डॉलर | 38 | 4001 | 9601 |
| तिल्ली | 1 | 12370 | 12370 |
| मटरसुखी | 10 | 2181 | 4500 |
| असालीया | 78 | 9371 | 10520 |

## नमो ग्रुप फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष बने परिहार

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** नमो ग्रुप के प्रदेश अध्यक्ष रोशन वर्मा द्वारा विभिन्न दायित्व वितरण किये गये है। 1- सुनील वैध- प्रदेश उपाध्यक्ष, 2- कमल देवड़ा- प्रदेश मंत्री, 3- करण परिहार- जिलाध्यक्ष (जिला मन्दसौर), 4- प्रमोद जैन- जिला प्रभारी (जिला मन्दसौर) को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए है। आशा विश्वास है आप दायित्व का निर्वाह संगठन हित मे करेंगे। उज्वल भविष्य की कामना करते है। उक्त जानकारी प्रदेश महामंत्री अशोक गुर्जर द्वारा दी गई है।

## कनक खिमेसरा ने 92.6 प्रश अंक हासिल किए

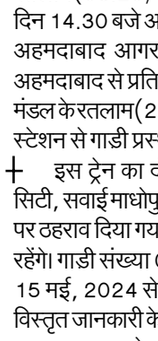

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** कक्षा दसवीं और बारहवीं सीबीएसई परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। दसवीं की परीक्षा की होनहार और प्रतिभावान छात्रा



कनक पिता संजय खिमेसरा ने 92.6 प्रतिशत अंक हासिल किए। कनक की इस सफलता पर उनके स्नेहीजन और ईष्टमित्रों ने बधाई दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

# मंदसौर लोस क्षेत्र: शाह के वोट फार्मूले में चार विधायक फेल

### उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा रहे अव्वल

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** पहले चरण के चुनाव के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने मंत्री और विधायकों को अपनी-अपनी सीटों पर वोटिंग पर्सेंट बढ़ाने की हिदायत दी थी। कहा था- यदि किसी मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में कम वोटिंग होती है तो उनका मंत्री पद चला जाएगा। उन विधायकों को मंत्री बनने का मौका मिलेगा, जिनके क्षेत्र में ज्यादा वोटिंग हुई है। अमित शाह के इस फार्मूले में मंदसौर संसदीय क्षेत्र की बात करें तो चार विधायक फेल हो गए। जबकि, तीन विधायक पास हुए। वहीं बात करें मंत्रियों की तो संसदीय क्षेत्र में एक मात्र जगदीश देवड़ा उप मुख्यमंत्री है। मल्हारगढ़ विधायक अमित शाह के निर्देशों का पालन करने में सबसे अव्वल रहे।

बात करें पूरे प्रदेश की तो प्रदेश में बीजेपी के 163 विधायक हैं। इनमें मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष को हटा दिया जाए, तो विधायकों की संख्या होती है 161, इनमें भी 30 मंत्री हैं। यानी बचे हुए 131 विधायकों के साथ 30 मंत्रियों को शाह ने हिदायत दी थी। 131 विधायकों में 50 से ज्यादा विधायक ऐसे हैं जिनकी सीट पर संसदीय क्षेत्र में हुए औसत मतदान से ज्यादा वोटिंग हुई है। अब देखना है कि शाह अपनी कही बात पर कितना अमल करेंगे?

**सबसे पीछे रहा गरोठ...**

यहां हम बात कर रहे हैं संसदीय क्षेत्र की औसत वोटिंग से। संसदीय क्षेत्र में इस बार औसत वोटिंग 75.25 प्रश हुई। जबकि विधायक चंदरसिंह सिसौदिया के गरोठ विधानसभा क्षेत्र में 73.09 प्रतिशत वोटिंग हुई। मतलब यहां औसत मतों से 2.16 प्रतिशत कम मतदान हुआ। मल्हारगढ़ की बात करें तो यहां औसत से लगभग पौने तीन फिसदी ज्यादा 78.01 प्रश मतदान हुआ। इसके अलावा अमित शाह के निर्देश पर सुवासरा, जावरा और जावद विस क्षेत्र खरे नहीं उतर पाए। जबकि मल्हारगढ़, मनासा और नीमच में औसत से अधिक मतदान हुआ। संसदीय क्षेत्र में मंदसौर में भी औसत का आंकड़ा क्रास हुआ है। हालांकि यहां कांग्रेसी विधायक है।

**पिछली बार का आंकड़ा सिर्फ मल्हारगढ़ ने किया क्रास...**

पिछले लोकसभा चुनाव से इस बार 2.45 प्रश मतदान कम हुआ। पिछली बार 2019 लोस चुनाव में 1984 का रिकॉर्ड टूटा था। जब 77.70 प्रतिशत मतदान हुआ था। बात करें 2014 के लोस चुनाव की तो मतदान प्रतिशत इस आंकड़े के आसपास 71.20 पहुंचा। मतलब मतदान प्रतिशत बढ़ने से भाजपा की जीत का प्रतिशत भी बढ़ा था। मतलब इस बार सिर्फ मल्हारगढ़ विस ही इस पिछले चुनाव के आंकड़े को क्रास कर पाई है।

**देवड़ा सहित चार मंत्री सेफ जोन में...**

चौथे चरण में 7 मंत्रियों का वोटिंग टेस्ट हुआ। इनमें से 2 मंत्री नागर सिंह चौहान और चैतन्य काश्यप इस टेस्ट में खरे नहीं उतरे। जबकि, 4 मंत्री इंदर सिंह परमार, जगदीश देवड़ा, तुलसी सिलावट और निर्मला भूरिया ने उम्मीद से बेहतर परफॉर्मेंस दिया है। एक मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बाउंड्री पर है। उनकी विधानसभा सीट पर औसत से मात्र - 0.74फीसदी कम वोट पड़े।

## दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदण्ड

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मंदसौर द्वारा आरोपी प्रमेश पिता दौलतराम मईडा, उम्र 22 वर्ष, निवासी खाखरेडा,



थाना- भावगढ, जिला मंदसौर को नाबालिग बालिका को भगाकर दुष्कर्म करने के आरोपी का दोषी पाकर 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 7,500 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी श्री बलराम सौलंकी द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 16.03.2023 को फरियादी ने थाना भावगढ पर रिपोर्ट लिखाई कि वह खेती का काम करता है, दिनांक 11.03.2023 को वह शादी में गये थे जिसमें उसके साथ उसकी लडकी भी थी, जब देर रात तक उसकी लडकी नहीं आई तो फरियादी ने शादी वाले के घर जाकर तलाश की एवं आसपास तलाश की तो लडकी नहीं मिली। तब फरियादी ने शंका जाहिर करते हुए बताया कि गांव का ही लडका प्रमेश पिता दुला उर्फ दौलतराम उसे भगाकर ले जा सकता है, जो फरियादी के घर कभी-कभी आता था। फरियादी की उक्त रिपोर्ट से थाना भावगढ पर अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया, विवेचना में पता चला कि आरोपी प्रमेश बालिका को भगाकर जोधपुर लेकर गया है, पुलिस की एक टीम जोधपुर के लिए रवाना हुई आरोपी प्रमेश को पुलिस के आने की खबर लग गई और वह बालिका को लेकर प्रतापगढ की ओर निकल गया, पुलिस द्वारा आरोपी को प्रतापगढ बस स्टेण्ड से पकड लिया गया और थाने लाये। बालिका से पूछताछ करने पर बालिका ने बताया कि वह आरोपी प्रमेश को जानती है वह उसके घर आता था, एक दिन वह समाज की ही शादी समारोह में गई थी और रात को घर आते समय आरोपी प्रमेश ने उसका रास्ता रोककर डरा-धमका कर जबरदस्ती उसे बाईक पर बिठा लिया और कुलथाना ले गया वहां से आरोपी बालिका को जोधपुर ले गया और वहा एक कमरे में रखा और वहां उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया। पीडिता के मना करने पर आरोपी ने उसे डराया और धमकी दी की मेरी बात नहीं मानी तो वह उसके परिवार वालों को जान से खत्म कर देगा। फिर आरोपी प्रमेश को पता चला कि उसकी रिपोर्ट हो गई है तो वह पीडिता को लेकर प्रतापगढ बस स्टेण्ड पर उतरा ही था जहां पुलिस ने उसे पकड लिया। उक्त घटना के आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी पर धारा 366ए, 341, 376, 376(2)(एन), 294, 506 भादवि एवं 3/4, 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट का अपराध कायमी कर प्रकरण की संपूर्ण कार्यवाही उपरांत चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। उक्त प्रकरण में थाना प्रभारी अरविंदसिंह राठौर द्वारा साक्ष्य संकलित कर विवेचना की गई। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक द्वारा रखे गये तथ्यो व तर्को से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक श्रीमती दीप्ति कनासे द्वारा किया गया।

### केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता...

# राजमाता माधवी राजे सिंधिया का निधन

**नई दिल्ली, 15 मई।** केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का निधन हो गया है। वे पिछले तीन महीने से दिल्ली एम्स में भर्ती थीं। उनके निधन से दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से ग्वालियर राजघराने को बड़ी क्षति पहुंची है। वे कुछ समय से वेंटिलेटर पर थीं। उनका यहां सेप्सिस के साथ निमोनिया का इलाज चल रहा था। महल के सूत्रों के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार कल यानी 16 मई को शाम 4 से 5 बजे के आसपास होगा। उनके निधन पर प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।



केंद्रीय मंत्री सिंधिया के कार्यालय से कहा गया है, बड़े दु:ख के साथ ये साझा करना चाहते हैं कि राजमाता साहब नहीं रहीं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता व ग्वालियर राज घराने की राजमाता माधवी राजे सिंधिया का इलाज पिछले दो महीनों से दिल्ली के एम्स अस्पताल में चल रहा था। पिछले दो सप्ताह स्थिति बेहद क्रिटिकल थी। आज सुबह 9।28 बजे उन्होंने दिल्ली के एम्स अस्पताल में आखिरी सांस ली। ॐ शान्ति। इधर, ग्वालियर में सिंधिया परिवार की छत्री पर अंतिम संस्कार से जुड़ी तैयारी शुरू हो गई है। माधवी राजे के अंतिम संस्कार के लिए यहां चबूतरा तैयार किया जा रहा है। स्व। माधवराव सिंधिया की छत्री के पीछे होगा माधवी राजे का अंतिम संस्कार। बता दें, सिंधिया परिवार के सभी सदस्यों का अंतिम संस्कार कटोरा ताल स्थित छत्री में ही किया जाता है।

**नेताओं ने व्यक्त किया शोक**–उनके निधन पर संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने ट्वीट कर दु:ख व्यक्त किया है। लोधी ने सोशल मीडिया पर लिखा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पूजनीय माताजी माधवी राजे सिंधिया के निधन का दु:खद समाचार मिला। परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहने की शक्ति दें, ॐ शांति शांति!! माधवी राजे के निधन पर कांग्रेस नेता अरुण यादव ने जताया शोक। उन्होंने कहा, कांग्रेस के कद्दावर नेता स्व। माधवराव सिंधिया की धर्मपत्नी एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता माधवी राजे सिंधिया के निधन का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ, ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें।

### आगरा कैंट-अहमदाबाद के मध्य त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट...

## समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन आज से

**रतलाम, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों के अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के नागदा एवं रतलाम स्टेशन पर ठहराव के साथ आगरा कैंट-अहमदाबाद के मध्य त्रि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा।



गाड़ी संख्या 01919 आगरा कैंट अहमदाबाद स्पेशस्पेशल 16 मई, 2024 से 29 जून, 2024 तक आगरा कैंट से प्रति मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को 23.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के नागदा(07.35/07.37) एवं रतलाम(08.20/08.30) होते हुए आरंभिक स्टेशन से गाड़ी प्रस्थान के अगले दिन 14.30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01920 अहमदाबाद आगरा कैंट स्पेशल 17 मई, 2024 से 30 जून, 2024 तक अहमदाबाद से प्रति बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को 17.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(23.33/23.43), नागदा(00.30/00.32) होते हुए आरंभिक स्टेशन से गाड़ी प्रस्थान के अगले दिन 09.50 बजे आगरा कैंट पहुँचेगी।

इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में फतेहपुर सिकरी, रुपवास, बयाना, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोआ, नागदा, रतलाम, गोधरा, छायापुरी एवं आनंद स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 01920 अहमदाबाद आगरा कैंट स्पेशल में टिकटों की बुकिंग 15 मई, 2024 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

## खाद्य एवं औषधि विभाग ने बेकर्स लॉन्च, जैन मिठाईवाला सहित मसाला गृह उद्योग से लिए नमूने



**रतलाम, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा रतलाम शहर में विभिन्न खाद्य संस्थानों का निरीक्षण कर विभिन्न खाद्य पदार्थो के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पैलेस रोड स्थित लक्ष्मी मसाला गृह उद्योग से मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनियां पाउडर एवम श्री गणेश मसाला उद्योग से मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनियां पाउडर के नमूने लिए गए। फव्वारा चौक स्थित जैन मिठाईवाला से फाफड़ा और काजू कतली के नमूने लिए गए, दो बत्ती स्थित बेकर्स लॉन्च से मसाला डोसा और ब्रैड के नमूने लिए गए।

जैन मिठाईवाला के यहां खाद्य पदार्थ खुली अवस्था में पाए गए एवम परिसर में उचित सफाई नहीं पाई गई इसी प्रकार बेकर्स लॉन्च में भी उचित सफाई नहीं पाई गई, वर्कर्स भी बिना एप्रिन पहने और बिना कैप पहने ही खाद्य पदार्थो का निर्माण करते पाए गए एवम उनके नाखून भी कटे हुए नहीं पाए गए। दोनो ही संस्थानों को सुधार पत्र जारी किए गए गए। लिए गए सभी नमूने जांच हेतु भोपाल स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए जहां से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश जमरा, प्रीति मंडोरिया द्वारा की गई। आगे भी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

## सुपड़ा में आज से होगा श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

**पिपलियामंडी, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** भगवान श्री सांवलिया सेठ के पावन सानिध्य में भगवान श्री बालाजी महाराज की असिम कृपा से ग्राम सुपड़ा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के समस्त ग्राम वासियों के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारंभ आज भव्य कलश यात्रा के साथ होगा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 16 मई 2024 से 22 मई तक किया जाएगा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन प्रतिदिन प्रात: 11:30 बजे से शाम 4 बजे तक होगा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन इच्छापुर्ण बालाजी मंदिर ग्राम सुपड़ा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में होगा श्रीमद् भागवत कथा का अमृतमय वाचन श्री हनुमंत भागवत कर्मकांड परिषद संस्थापक श्री महाकाल भैरव अखाड़ा संघ उज्जैन के राष्ट्रीय संरक्षक भागवत प्रवक्ता परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्री मुकेश शर्मा नारायण जी मंदसौर वाले के मुखारविंद से होगा आयोजन समिति के द्वारा समस्त भक्तगणों से श्रीमद् भागवत कथा धर्म गंगा में अधिक से अधिक धर्म लाभ लेने की अपील की। समस्त जानकारी परिषद सदस्य मनीष शर्मा ने दी।

# मिक्स मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने किया जिले का नाम रोशन

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन (MMA) अध्यक्ष विनय दुबेला ने बताया की विगत दिनों मिक्स मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों का एक दल मध्यप्रदेश का नेतृत्व करते हुए रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीयस्तर की मिक्स मार्शियल आर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पंहुचा, जिसमे मंदसौर जिले के मिक्स मार्शियल आर्ट्स प्रतियोगिता मे जिले के 3 खिलाड़ियों ने भाग लिया और 3 खिलाडियों ने पदक अर्जित किये। जिसमे जया सिसौदिया (स्वर्ण), लक्ष्मी मालवीय (कास्य), अरुण भाटी (कास्य) प्राप्त कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त कर मंदसौर नगर पहुंचे खिलाड़ियों का बस स्टैंड पर ही भाजपा खेल प्रकोष्ठ एवं जिला मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन द्वारा पुष्प माला पहनाकर बधाई शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल कियावत जी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मंदसौर के लिए खिलाड़ियों ने बड़ी उपलब्धि अर्जित की है निश्चित रूप से मंदसौर का नाम आपने देश व प्रदेश में रोशन करने का काम किया है हम सब आपको इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं देते हैं एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। श्री विनय दुबेला ने कहा कि मंदसौर में अनेक खेलों में खेल प्रतिभाएं अपना खेल कौशल का परिचय देकर दशपुर नगर का नाम रोशन करने का काम कर रही है इसी कड़ी में मिक्स मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने भी मंदसौर का नाम देश में प्रदेश में नाम रोशन किया है उनकी यह उपलब्धि निश्चित रूप से मंदसौर के अनेक खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विनीत लक्की बड़ोंलिया, जितेंद्र व्यास, राजेश शुक्ला, राजाराम तंवर, मनोज जैन, कमलेश सिसोदिया, राजेश चौहान, शत्रुजय सोनी, घनश्याम सिंह तोमर, हरीश सालवी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, रवि ग्वाला, निशांत शर्मा, अनिल सुराह आदि खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का संचालन रवि ग्वाला ने किया व आभार महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने माना उक्त जानकारी प्रशिक्षक नितिराज सिंह चौहान ने दी।




### ✻ उठावना ✻

गांव रेवास देवड़ा से राजकुमारए भरत मरमट के पूज्य पिताजी पुष्करराज, निखिल के दादाजी श्री लक्ष्मीनारायण मरमट का देवलोक गमन दिनांक 14 मई 2024 मंगलवार को हो गया था। जिनका उठावना 16 मई 2024 गुरुवार प्रात: 10 बजे निज निवास गांव रेवास देवड़ा रखा गया है।



✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
मरमट परिवार
गांव रेवास देवड़ा मंदसौर
फर्म– ✻ हनुमंत मार्बल एवं ग्रेनाइट, कृषि उपज मंडी मंदसौर

### ✻ शवयात्रा ✻

अत्यंत दुख के साथ सुचित किया जाता है की मेरी धर्मपत्नी एवं सुश्री स्मिता रत्नावत(अपर सत्र न्यायाधीश छतीसगढ़)गौरव रत्नावत एडवोकेट की माताजी व कल्प रत्नावत की दादी जी श्रीमती कृष्णा देवी रत्नावत का श्रीजी शरण आज दिनांक 15 मई 2024को हो गया है जिनकी शव यात्रा दिनांक 16मई 2024 गुरुवार को प्रात 10.30बजे निवास स्थान रोड़ न.3कालाखेत से शव वाहन से निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
जगदीश चंद्र रत्नावत (एडवोकेट) एवं रत्नावत परिवार(बरखेड़ा पंथ वाला)




## कलेक्टर ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

**नीमच, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसौदिया ने बुधवार को लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत नीमच में स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर एवं ए.एस.पी.ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री जैन ने मतगणना केंद्र के प्रवेश द्वार के बाहर अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे एवं निगरानी की व्यवस्था, अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं के लिए स्थापित निगरानी कक्ष में कूलर, पंखे एवं प्रकाश की व्यवस्था मॉनिटरिंग, निगरानी के लिए टीव्हीं स्क्रीन की व्यवस्था का अवलोकन किया। कलेक्टर ने सुरक्षा बलों के लिए भी कूलर, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू, रक्षित निरीक्षक श्री विक्रमसिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

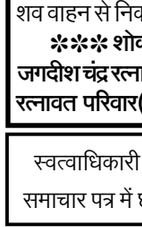

# सीएए के तहत केंद्र सरकार ने 14 लोगों को दी भारत की नागरिकता

**नई दिल्ली, 15 मई।** नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) के तहत नागरिकता प्रमाणपत्रों का पहला सेट बुधवार को जारी किया गया। केंद्र सरकार की ओर से 14 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। सीएए प्रमाणपत्र जारी होने के बाद पाकिस्तान अफगानिस्तान और बांग्लादेश से प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता देने की प्रक्रिया शुरू हो गई। आवेदन ऑनलाइन संसाधित होने के बाद 14 लोगों को प्रमाण पत्र सौंपे गए।

सीएए के तहत नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 की अधिसूचना जारी होने के बाद पहली बार बुधवार को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए गैर मुस्लिम 14 शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिली। सीएए के तहत केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने इन सभी 14 आवेदकों को भारत की नागरिकता मिलने वाला सर्टिफिकेट सौंपा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि उअअ के लिए बनाए गए नियम 11 मार्च 2024 को अधिसूचित किए गए थे। इसके साथ ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में रह रहे हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित ऐसे नागरिक जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर की वजह से अपने-अपने देशों से 31 दिसंबर 2014 तक भारत में शरण लेने के लिए आ गए थे। वह सभी भारत की नागरिकता लेने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करने लगे थे। इन सभी को भारत की नागरिकता देने से पहले बनाई गई जिला स्तरीय समिति (ऊडउ) और राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एउ) द्वारा पूरे दस्तावेजों और अन्य तरह की जांच करने के बाद दिए गए ग्रीन सिग्नल के बाद ही ऐसे तमाम शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का काम किया जाता है। इसी प्रक्रिया के तहत पहली बार सीएए के तहत 14 शरणार्थियों को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत की नागरिकता प्रदान की गई। इन सभी को निष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर आईबी डायरेक्टर, भारत के रजिस्ट्रार जनरल, सेक्रेटरी पोस्ट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

## उद्यानिकी महाविद्यालय में मिशन लाइफ अभियान का शुभारंभ

**मंदसौर, 15 मई गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के आदेशानुसार उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में मिशन लाइफ अभियान का शुभारंभ जागरूकता रैली के साथ हुआ। यह कार्यक्रम दिनांक 13 से 20 मई 2024 के बीच आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के शुभारंभ के दिन विशाल जन जागरूकता रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर निकटवर्ती क्षेत्रों में पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए वापिस महाविद्यालय पर समाप्त हुई। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आईएस तोमर के नेतृत्व में संपन्न इस जागरूकता रैली में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। रैली मे विद्यार्थियों ने पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित नारे लगाए। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आगामी दिनों में वर्षा जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर समूह चर्चा एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली और मॉडल निर्माण प्रतियोगिता, प्रदूषण नियंत्रण पर पोस्टर प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन जलवायु परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव के ऊपर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। अधिष्ठाता महोदय डॉ. इंदर सिंह तोमर ने पर्यावरण विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. राजेश आर्वे, सहायक प्राध्यापक, ने किया।उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ अंकित पाण्डेय ने प्रदान की।


**आवश्यकता है**
रेडीमेड कपड़ों की दुकान के लिए
**सेल्समेन** की आवश्यकता है
वेतन योग्यतानुसार
**दिलीप स्टोर्स**
कालाखेत, मंदसौर, मो.–8839455308


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in